पानी मा धोके अऊ छिलका ला उतार के हल्का घाम मा सुख लेथन। सुखाये बर कांदा के ऊपर के छाली उतार लेथन। ऊपर के छाली ल घाम मा कुछ देर मा सुखादेथन जैसन कि चलत तरिका मा तेज चक्कू धारवाला हथियार अऊ पथरा ला काम मा लाथन। एक आने तरिका मा गरम पानी मा कांदा ल दो मिनट तके डूबोके फिर से ठण्डा पानी मा डूबोथन ऐसनत ब तके करथन जब तक कांदा के ऊपर के आवरण हर ढील्ला नि पड़ जाथे। एक आने तरिका मा अऊ माटी मा ढ़ाक के थोड़कुन गरम जगह मा रखके (आमा जसन) पाल लगाथन। 7 से 8 दिन मा बाहरी छाली ल ढीला हो जाथे जोनला छीलके खींचके के अलग करे बर आसानी होथे। बल्कि ये तरिका मा जरीमन के गुनमन ल असर होथे। ओखरे बर येला धियान मा रखथन कि जड़मन के छिलका ल उतारे के पहिले वाला तरिकाल ही अपनाथे।

कभू–कभू कांदा के बीच के भाग के धागा ल निकाल के एक बरोबर 4–6 इंच नान्हु टुकड़ा मन मा यदि सुखथन त ये तरिका हर 10 अऊ 15 दिन मा आसानी से पूरा हो जाथे। ये प्रकार से धागा ल निकले के बाद मा सुखाये के तरिका मा जियादा गति हर आजाथे। येखर कांदा जरीमन मा अंदाजन 85–90 प्रतिशत पानी हर भरे रथे। सुखाये जरीमन मा सतावरिन अऊ आने ग्लूकोसाइड रसायन हर जियादा रूप मा पाये जाथे। ओखर बाद सीध्दा, साफ, मोटा एक बरोबर जरीमन ल ग्रेंडिग करके नमी बिना परिस्थितिमन मा भर लेथन। कभु बिना छिलका उतारे यदि सतावर ल भण्डार करे ले लम्बा समय तक मा त येखर कांदा के बाहर के छिल्का के अन्दर के गुदा ल उतारे सतावर के भण्डार मा झन करौ।

बीजा ला पाये बरः– मांघ– फाल्गून (फरवरी –मार्च) महिना मा पूरा करिया रंग के बीजामन ल इकट्ठा करके अऊ ओखर ऊपर के छिलका ल पानी मा धोके निकाल लेहें के बाद मा इकट्ठा कर लेथन। इकट्ठा के पहिले येला पक्का कर लेथन कि बीजा हर पूरा सुखा गे हो।

उपज के प्राप्तिः– सतावर के खेती ल हर हेक्टेयर मा 40 से 50 क्विंटल सुख्खा जरी मन ल पाके कर सकथन। बाजार मा ये जरीमन के आजकल के दाम हर अंदाजन 25/– से 50/– प्रति किलो होथे। ये प्रकार से एक हेक्टेयर के खेती मा किसान अंदाजन 65000 रू. के आमदनी मा सकथन।

जरीमन के विनाश बिना विदोहन– बन क्षेत्रमन मा सतावर के जरीमन के विनाश बिना विदोहन करेके समय हमन निचु के बातमन ल धियान मा रखथन।

1. सतावर के कांदा जरीमन ल (दिसम्बर–जनवरी) पुस–मॉघ मा भुँईया ले खोदके निकाल लेथन। सतावर के जरीमन के खुदाई ल पौधा ले एक से डेढ़ फीट के दुरिया मा खोदके कर लेथन। जरीमन ल हाथ/खुरपी अऊ हंसिया से काटके विदोहित करथन। खोदे के समय मा कुछु कांदा जरीमन ल (4–6) तके ल भुँईया मा छोड़ देथन अऊ ओखर ऊपर मा माटी ल ढाक देथन। जेखर से बढ़िया परिस्थितिमन हर मिले ले येखर फिर से उत्पादन कर सकन।

सतावर के पाके हावे फर जोन हर करिया रंग के होथे, ल इकट्ठा कर लेथन। ये फलमन ल मसके येखर चिपचिपाऐ वाला करिया छिलका ल अलग करके बीजा ल पानी मा अच्छा ढ़ंग से घोलेथन अऊ सुखाके आने वाला फसल बर इकट्ठा कर लेथन। ये बीजामन के काम ल आने वाला बरस मा वन क्षेत्रमन मा रोपे बर कर सकथन।

अनुवादक

आनन्द कुमार दास, आलोक कुमार थवाईत,
कु. रंजीता पटेल, श्रीमती शशिकिरण बर्वे

अधिक जानकारी के लिये संपर्क करें

निदेशक

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

पो.आ.– आर.एफ.आर.सी.,
मण्डला रोड, जबलपुर– 482021
फोनः 0761–2840483, 4044002

वन विस्तार प्रभाग

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

पो.आ.– आर.एफ.आर.सी.,
मण्डला रोड, जबलपुर– 482021
फोनः 0761–2840627

Amrit Offset # 2413943

सतावर

(Asparagus recemosus)

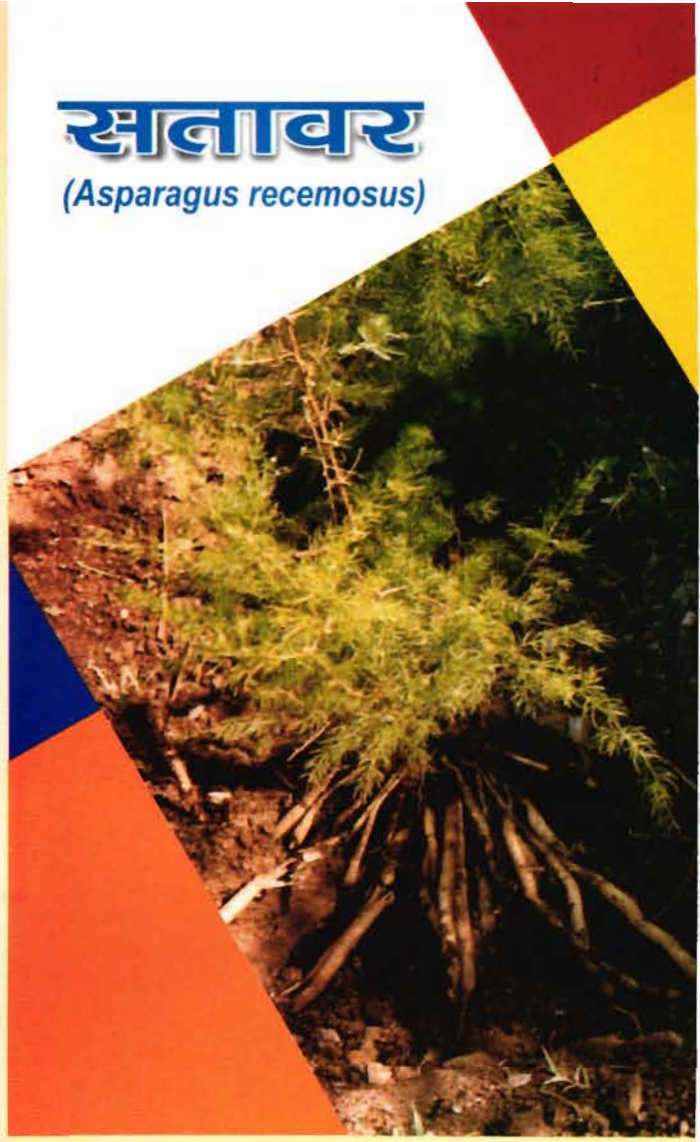

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
डाकघर – आर.एफ.आर.सी., मण्डला रोड
जबलपुर – 482 021 (म.प्र.)

सतावर

पहिचान- सतावर लिलियेसी कुल के बड़का बरस के फैले वाला पौधा होथे जोनहर जुन्ना ग्रन्थ मन मा लिखे होवे अऊ ओमे येला सतावरी कथें। येखर वैज्ञानिक नाम हर एस्पेरेगस रेसीमोसस हावे। ये हर मध्यप्रदेश के सरई ,सागौन अऊ मिले–जुले बनमन मा पाये जाथे येला कोला बारीमन मा सजाये वाला घलो पौधा जैसन उगाथन। भारत मा येहर समुन्दर के तल ले 400 से 12000 मी. ऊचा मा पाये जाथे। येखर नार अंदाजन 1 मी. से 5 मी. तके लम्बरी होथे । येहर एक बड़का बरस के ,कांटावाला फैले वाला पौधा होथे जोनला बाड़े बर जरूरी होथे। शाखामन पतला, पान हर सुई जैसन बारिक अऊ 1.3 से. मी. से 1.5 से.मी. लम्बरी हरिया रंग के होथे । शाखामन मा लम्बरी अऊ टेड़गा कांटा होथे। येखर फूल हर पर्रा रंग के होथे जोन्हर गुच्छामन मा लागथे। फर हर नान्हू–नान्हू गोलवा अऊ कच्चा फर हर हरिया रंग के होथे जोन्हर पाके के बादमा लाली रंग के हो जाथे जोनमे करिया रंग के कठोर बीजा हेाथे। फरमन के ऊपर मा एक ठन चिपचिपा चीज लगे होथें । जोन्हर चिखे मा मीट्ठा होथे । चिराई हर येखर मीठापना वाला चीज के खातिर येला बड़ खाथें। अऊ बीजामन ल फैलाये के काम करथे ओखरे बर सतावर के पौधा हर बनमन मा कई ठन ऐसे जगहमन मा देखथन जोनमा येखर पौधा नि रहे। येखर जरी कांदा जैसन लम्बरी अऊ गुच्छामन मा होथे। जरीमन के संख्या हर ओखर पौधा के उमर मा निर्भर करथे। 4–5 बरस के जुन्ना पौधामन मा अंदाजन 100 ले जियादा कांदा जैसन जरी पाये जाथे।

येखर काम - सतावर के कांदा जैसन जरीमन मा मीट्ठा ,रसासमेत अऊ कई ठन रसायन पाये जाथे जेखर काम हर कई ठन आयुर्वेदिक दवाई बनाये बर काम मा आथे। जरी ले मिले सतावरिन अऊ सैपोजेनिन रसायन शीतवीर्य,मेधाकारक, जठराआगि ल बड़ाये वाला ,बलदेहे वाला ,स्निग्ध ,ऑखी मन बर लाभवाला होथे। शुक्रवर्धक, बात, पित रक्त अऊ शोथ ल दूर भगाये वाला होथे। येखर मधुमेह अऊ बल देहे वाला टानिक, ल्यूकोरिया, खून के कमी, भूख नि लागेमा, पचाये बर, दिमाग के तनाव ल दूर भगाये अऊ दुध बढ़ाये वाला दवाई बनाये बर होथे। येखर काम बल देहे वाला दवाईमन मा, कमजोरी ल दुरिया भगाये मा, संगे–संग शुक्र बढ़ाये बर अऊ जवानी के बल ला बढ़ाये बर, यूनानी तरिका ले बनाये मांजूल जंजीबेल, माजून शीर बरगदवली अऊ माजून पाक कईठन दवाईमन मा काम मा आथे। येखर काम हर आदमी मन के संग औरत मन के घलो कई ठन रोग मा जैसन–योनि दोष, बॉझपन, ल्यूकोरिया ल दूर भगायेवाला दवाई मन ल बनाये के काम मा आथे। प्रसव के बादमा मातामन के दूध बढ़ाये मा घलो सतावर हर बहुत हि बढ़िया साबित होथे। आजकल मा येखर से संबंधवाला कईठन दवाईमन बनाऐ जाथे। औरतमन मा हि नही बल्कि जानवरमन मा घलो दूध ला बढ़ाये के काम मा सतावर जियादा काम वाला साबित होथे। सतावर के काम गाठिया, पेट पीरा मा, पिशाब अऊ मूत्र संस्थान ले संबंधित रोगमन मा, गर्दन हर लचक जाये मा, पक्षाघत, गोड़ के तलवा माजले बर, साइटिका हाथमन अऊ घुटना आदि मन के पीरा अऊ मुड़पिराये मा ल ठीक करेबर जोन दवाई ल बनाये जाथे ओमे येहर काम मा आथे।

खेती के तरीका:-

जलवायु– सतावर के खेती बर उष्ण, आद्र जलवायु हर बढ़िया रथे। 250 से.मी. बरसा वाला जगह हर येखर खेती बर बढ़िया रथे। ऐसे जगह जोनमा कम से कम तापहर 10–15 डिग्री. से.ग्रे. अऊ जियादा ताप हर 35 –42 डिग्री. से.ग्रे. होथे, येखर खेती बर बड़ बड़िया रथे।

भुँईया– येखर खेती बर बलुई दोमट माटी सबले बढ़िया होथे। येखर बढ़िया खेती बर भूँईया मा बड़िया जल निकासी के बिवस्था ल करथन। जहॉ तके संभव हो येखर खेती ल करियामाटी मा झन करो काबर ये माटी मा जरी मन हर बड़िया ढ़ंग मा नि बाड़थे।

भुँईया के तियारी:– येखर खेती बर बैशाख –जैठ (अप्रेल–मई) महिना मा कम से कम दू बार खेत ला जोत के बड़िया ढ़ंग से कर देथन। बुआई के अंदाजन 15 दिन पहिले 10–15 टन गोबर के पक्का खाद ल हर हक्टेयर के दर मा माटी मा मिला देथन।

बुआई:– येखर खेती बर रोपणी मा पौधा ल तियार कर लेथन। जेखर बर 1X10 मीटर के खड़े करे कियारी बनाके ओमा 1:1:1 के अनुपात मा कुधरा, खातु, माटी के मिलावट ल भर देथन। ओखर बादमा (अप्रेल) जेठ महिना के आखरी सप्ताह मा बीजामन ल 2–3 से.मी. के गहला मा बो देथन (1 हेक्टेयर भुँईया मा खेती बर पौधा ल तियार करे बर अंदाजन 3 किलो बीजा हर जरूरी रथे) सतावर के पौधा ल सीध्दा पना के झोला मा बीजामन के बुआई करके घलो तियार कर सकथन। बुआई करेके के पहिले बीजामन ल गोबर के स्लरी बनाके 24 घण्टा गिला करके उपचार करके शूली मन हर शत–प्रतिशत आव थावे। बीजा ल बोऐ के डेढ़ से दू महिना बाद मा जोन समय मा पौधामन हर 15–25 से.मी. लम्बरी होथे ओमे येला रोपे बर काम मा लाथन।

रूपाई:– 15–25 से.मी. ऊँचा वाला पौधा हर रोपे बर सबले बड़िया रथे। पौधा अऊ ओखर लकीर ले लकीर के बीच मा दूरी ल 50X50 से.मी. रखथन। पौधामन ल रोपे के समय मा हर पौधामन 200 गिराम के दर मा वर्मी कम्पोस्ट ल काम मा लाये ले फायदामंद होथे।

सिंचाई:– सतावर के फसलबर जियादा पानी हर जरूरी नि रहे। शुरू मा 5 दिन मा एक बार अऊ पौधा के बड़े होये के बाद एक महिना मा हल्का पानी सिंचे बर लागथे। पौधा हर एक बार खड़ा हो जाथे त जियादा पानी सिंचे बर जरूरी नि रहे।

सहारा बर:– बड़िया फसल पाये बर ओखर खातिर खेत मा नारमन के सहारा बर लोहा के एंगल / पोल, बांस अऊ एकमन के टहनीमन ल हर पौध के पास मा गाड़ देथन जेखर से पौधा मन के लतामन ल ऊपर बाढ़े बर सहारा मिल जाथे।

जरी मन ला खोद लेथन:– अंदाजन डेढ़ बरस के बाद मा जब पौधामन के पान हर हरदी रंग के हो जाथे, त जड़मन ला खोद लेथन। येखर एक दिन पहिले खेत मा हल्का पानी देके भुँईया ल कोमल बना लेथन जोनमा हल चलाये ले जरीमन के खुदाई हर आसान हो जाथे। अगला फसल के बिजाई बर ओई बेरा मा बड़ जियादा मात्रा मा रख लेथन। खुदाई के आने के तरीका मा पौधा के ऐती–ओती एक फुट मा त्रिज्या मा बाहर अंग से माटी खोद के 4 अऊ 5 कंदमन ल छोड़के बाकी कांदामन ल खोद लेथन। ये प्रकार मा खोदे ले जड़ मन मा ल नुकसान नि होवे। खोदे कांदा जैसन जरीमन ल बड़िया प्रकार साफ